सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 276 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 13 नवम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

आपका खाना आपका इलाज होना चाहिए और आपका इलाज आपका खाना होना चाहिए।
-हिप्पोक्रेटीस

आगरा में युवती की संदिग्ध मौत... 8 | प्रदेश की आधी आबादी को लुभाने... 3 | रेल यात्रियों को राहत, बढ़े किराए... 7

सीएम योगी के गढ़ गोरखपुर में अखिलेश का शक्ति प्रदर्शन

'विजय रथ यात्रा' में उमड़ा जनसैलाब

फोटो: सुमित कुमार

» सपा प्रमुख ने गोरखपुर से रवाना की रथ यात्रा, जगह-जगह लोगों ने किया स्वागत, बरसाए फूल

» कुशीनगर तक जाएगी रथ यात्रा, हर विधान सभा क्षेत्र में करेंगे जनसभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधान सभा चुनाव के साथ ही प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गयी हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। आज सपा प्रमुख ने सीएम योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर से विजय रथ यात्रा निकाली। रथ यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने सपा प्रमुख का जगह-जगह फूल-मालाओं से स्वागत किया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी के विजय रथ यात्रा के दूसरे अभियान पर अखिलेश यादव आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर से रवाना हुए। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी विजय रथ यात्रा रविवार को कुशीनगर पहुंचेगी। वे पार्टी के नेताओं के साथ गोरखपुर के सातों विधान सभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे। साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उनकी पहली सभा हाटा असेंबली सीट के झांगा बाजार में हुई। वहीं कुशीनगर की सभी विधान सभा क्षेत्रों में आज और कल जाएंगे और वहां सपा के समर्थन में लोगों से मिलेंगे और सभाएं भी करेंगे।

जनता में आक्रोश, प्रदेश में परिवर्तन तय: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों की जेब काटकर अमीरों की तिजोरी भर रही है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। किसान-नौजवान परेशान हैं। जनता में आक्रोश है। 2022 में सत्ता परिवर्तन तय है।

गोरखपुर में गूंजा आ रहे हैं अखिलेश

सपा विजय रथ यात्रा में उमड़ा जन सैलाब लगातार अखिलेश यादव जिंदाबाद और आ रहे हैं अखिलेश का नारा लगा रहा था। वहीं लोग सपा प्रमुख की एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर खड़े दिखे।

केंद्र को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा तत्काल रोकें प्रदूषण संभव हो तो लगाएं लॉकडाउन

क्या प्रदूषण के लिए केवल किसान हैं जिम्मेदार, पटाखे और वाहन नहीं

प्रदूषण कम करने के उपायों की मांगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट में आज केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने सरकार को प्रदूषण से निपटने के लिए तत्काल उपाय के तौर पर दो दिन का लॉकडाउन लगाने की सलाह भी दी।

चीफ जस्टिस एनवी रमन ने कहा, क्या प्रदूषण के लिए केवल किसान जिम्मेदार हैं, बाकी पटाखे, वाहन, डस्ट और निर्माण का क्या योगदान है? आप हमें बताएं कि प्रदूषण पर नियंत्रण के तत्काल उपाय क्या हैं। अगर संभव हो तो दो दिन का लॉकडाउन लगा दें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्यों से प्रदूषण कम करने के कदमों पर आपात बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी भी मांगी। सीजेआई ने केंद्र से कहा कि आपकी ऐसी धारणा है कि पूरे प्रदूषण के लिए किसान जिम्मेदार हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार के वकील तुषार मेहता से कहा कि प्रदूषण का स्तर बेहद खराब हो गया है। लोग घरों में मास्क लगा कर बैठ रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से प्रदूषण को रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए? पराली को लेकर क्या कदम उठाया गया है? इस पर केंद्र की ओर से कोर्ट में चार्ट पेश किया गया। दिल्ली सरकार की ओर से पेश राहुल मेहरा ने कहा कि कई कारणों से प्रदूषण बढ़ रहा है लेकिन इसमें पराली जलाना बड़ी वजह है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अब किसानों को कोसने का फैशन बन गया है। दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी थी। क्या हुआ? सीजेआई ने कहा, पराली जलाने से हालात खराब हुए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। तुषार मेहता ने बताया कि केंद्र सब्सिडी पर मशीनें दे रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि मशीने इतनी महंगी हैं कि किसान उन्हें खरीद नहीं सकते। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केंद्र किसानों से पराली लेकर उद्योगों को क्यों नहीं देता?

रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र के लिए जल्द आएगी केंद्र की प्रोत्साहन योजना : राजनाथ सिंह

» लखनऊ तथा झांसी में निवेश करने वालों को जमीन उपलब्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही केंद्र पोषित प्रोत्साहन योजना शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा सरकार प्राइवेट सेक्टर की ताकत और जरूरत को समझती है। पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर साथ मिलकर काम करेंगे तो बहुत जल्द भारत रक्षा उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने का मार्ग बताते हुए कहा है कि रक्षा उत्पादन में अब हमारा समय है।

भारत अब एक्सपोर्ट हब बनने की ओर अग्रसर है और यूपी इसमें सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएगा। लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर के संबंध में विमर्श कर रहे थे। यूपी डिफेंस कॉरिडोर की प्रगति पर खुशी जताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने औद्योगिकीकरण के प्रोत्साहन के लिए शानदार इको-सिस्टम तैयार किया है। रक्षामंत्री ने कहा पिछले पांच वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात 334 प्रतिशत बढ़ा है। हम आज 75 देशों को रक्षा निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब हमारी सरकार डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर इस प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। कॉरिडोर के सभी छह नोड में जल्दी ही उत्पादन शुरू हो जाएगा। लखनऊ तथा झांसी में निवेश करने वालों को जमीन भी उपलब्ध करा दी गई है। हम जल्दी ही एक केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना ला रहे हैं, जिसमें डिफेंस इंडस्ट्रीज को कॉरिडोर में निवेश करने के लिए इंसेंटिवाइज करने का प्रावधान होगा। एमएसएमई उद्योग, नई इंसेंटिव नीति में सबकी जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा।

विकास के संबंध में दिए अनेकों सुझाव

राजनाथ सिंह ने कहा डीआरडीओ ब्रह्मोस तथा भारत डायनमिक्स लि. द्वारा दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस के नेक्स्ट जनरेशन मिसाइल तैयार होगी। तो भारत डायनमिक्स लिमिटेड झांसी नोड में आकाश मिसाइल में प्रयुक्त होने वाली प्रणोदन प्रणाली का निर्माण करेगी। इससे पहले निवेशकों ने रक्षामंत्री से उद्योगों की स्थापना व विकास के संबंध में अनेक सुझाव भी दिए। रक्षामंत्री ने सभी को विश्वास दिलाया कि सभी सुझावों-मांगों पर जल्द ही अमल किया जाएगा।

डिफेंस कॉरिडोर यूपी के लिए बड़ा अवसर

मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में आए निवेशकों द्वारा यूपी डिफेंस एक्स्पो 2020 को अब तक का सफलतम डिफेंस एक्सपो बताए जाने पर निवेशकों के प्रति आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉरिडोर रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री जी की 'मेक इन इंडिया' संकल्पना को साकार करने में भी कॉरिडोर का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी 2018 में लखनऊ में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट के शुभारम्भ अवसर पर प्रदेश में उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना की घोषणा की थी।

दिल्ली में बनी यूपी चुनाव की रणनीति

» सोनिया व प्रियंका गांधी ने बघेल से की घंटों चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश चुनावों को देखते हुए तैयारियां जोरशोर से शुरू कर दी हैं। एक तरफ पार्टी जहां राज्यभर में रैलिया कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रियंका गांधी और भूपेश बघेल ने आगे की रणनीति बनाना शुरू कर दी है। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की पार्टी प्रभारी प्रियंका गांधी से दिल्ली में मुलाकात की।

दोनों नेताओं के बीच यूपी चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा हुई। बघेल ने साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की है। इस मुलाकात में संगठन को किस तरह से चुनाव में उतरना है और किन मुद्दों को जोरशोर से उठाना है इसकी चर्चा हुई है। इसके अलावा बैठक में पार्टी ने उस रणनीति को अंतिम रूप दिया, जिसके तहत उसे चुनाव अभियान का संचालन करना है। चुनाव पूर्व गठबंधन की संभावना पर भी नेताओं के बीच चर्चा हुई है। कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात के बाद सीएम बघेल शाम को राजधानी रायपुर रवाना हो गए। कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उत्तर प्रदेश चुनाव में पार्टी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में उनके पास संगठन और पार्टी की चुनावी मशीनरी से समन्वय की बड़ी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पिछले एक महीने में चार से पांच बार उत्तर प्रदेश का दौरा कर चुके हैं। वहीं पार्टी के राज्य स्तर के पदाधिकारियों की अहम बैठकें ले चुके हैं।

राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिश में आम आदमी पार्टी ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी भी आने वाले विधान सभा में ताकत झोंकने की तैयारी कर रही है। तिकुनिया कांड के बाद आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस, सपा और बसपा की तरह जिले में दौरा कर सक्रियता दिखाई। संजय सिंह, राघव चड्ढा जैसे बड़े नेता भी कई दिन लखीमपुर खीरी में डेरा डाले रहे। आम आदमी पार्टी का संगठन जिले में पिछले लोकसभा चुनाव से काफी सक्रिय हुआ है। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी जिले की आठों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। बरेली में आप के जिलाध्यक्ष वलीम खां का कहना है आप अपने बलबूते जिले की सभी सीटों पर ताल ठोकने को तैयार है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक तीन सीटों पर तो उम्मीदवारों का चयन लगभग पूरा हो चुका है।

पूर्ण बहुमत से प्रदेश में आ रही कांग्रेस : हरीश रावत

» कांग्रेस से जुड़ें, जोड़ें और भाजपा का अभिमान तोड़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करना चाहिए। बढ़ती महंगाई से त्रस्त लोगों का आह्वान किया कि वे कांग्रेस से जुड़ें, जोड़ें और भाजपा का अभिमान तोड़ें। हरीश ने रामनगर में पदयात्रा के दौरान ये बातें कहीं।

पूर्व सीएम हरीश रावत के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली और महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। रावत ने कहा कि पदयात्रा का आगाज रामनगर से शुरू हुआ है, जो प्रदेश के सभी जिलों और नगरों तक जाएगी। उन्होंने कहा आज महंगाई की वजह से प्रदेश की जनता हमारे साथ है और हमने इस कार्यक्रम का नाम भाजपाई ढोलकी पोल खोल रखा है। रावत ने कहा इस पदयात्रा का मुख्य मकसद भाजपा के द्वारा की गई बेरोजगारी और महंगाई का विरोध करना है। महंगाई के मामले पर सरकार को नींद से जगाना है। हरीश रावत ने दावा किया कि 2022 में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में आ रही है, जनता भाजपा को समझ चुकी है। आज गरीबों के घर में चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है। रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के दाम रोज आसमान छू रहे हैं, ऐसे में जनता इस बार बीजेपी को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी।

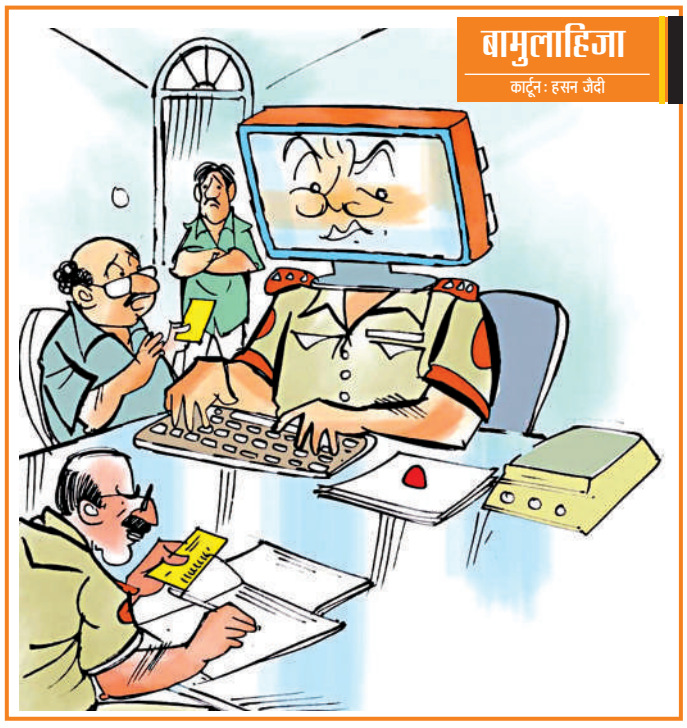

पीएम की अगवानी के लिए सज रहा डीजीपी मुख्यालय

» 19, 20 और 21 नवंबर को होगी डीजीपी कॉन्फ्रेंस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय के आसपास सड़कों के किनारे जमी घास को काटा जा रहा है और पेड़ों की कांट-छांट चल रही है। सड़कों को फिर से चमकाया जा रहा है और डिवाइडर का रंग रोगन किया जा रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी के लिए हो रहा है। प्रधानमंत्री देश भर के राज्यों के पुलिस प्रमुखों और विभिन्न पुलिस बलों के प्रमुखों के सम्मेलन में शिरकत करने लखनऊ आ रहे हैं। यह कॉन्फ्रेंस 19, 20 और 21 नवंबर को होगी। पहले 20, 21 और 22 नवंबर को यह कार्यक्रम तय था। लेकिन अब इसे एक दिन पहले कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस कॉन्फ्रेंस में तीनों दिन मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री 20 और 21 नवंबर को रहेंगे। प्रधानमंत्री आईबी के अधिकारियों को मेडल भी वितरित करेंगे। वह 20 नवंबर को राजभवन में रात्रि विश्राम भी करेंगे। यूपी का पुलिस मुख्यालय पहले प्रयागराज में था। पुलिस का नया भवन बनने के बाद पुलिस मुख्यालय को भी यहां पूरी तरह से शिफ्ट कर दिया गया है। अप्रैल 2019 में पुलिस मुख्यालय को प्रयागराज से लखनऊ में शिफ्ट किया गया था। पहले पुलिस के बजट संबंधी सारे काम प्रयागराज में ही होते थे। एडीजी, आईजी और डीआईजी पुलिस मुख्यालय प्रयागराज में बैठते थे। अब यह मुख्यालय पूरी तरह से सिग्नेचर बिल्डिंग में शिफ्ट हो गया है और सभी अधिकारी यहीं बैठते हैं।

देश का सबसे आधुनिक पुलिस मुख्यालय

उत्तर प्रदेश पुलिस का मुख्यालय देश भर का सबसे भव्य पुलिस मुख्यालय है। इसकी गिनती सिग्नेचर बिल्डिंग के तौर पर होती है। 2015 में इस सिग्नेचर बिल्डिंग की नींव रखी गई थी और 2019 में इसका उद्घाटन किया गया था। चार टावर और नौ तल इस बिल्डिंग में हैं। हर टावर के लिए तीन-तीन लिफ्ट है। आपात स्थिति में बिल्डिंग से बाहर आने के लिए हर टावर में तीन-तीन सीढ़ीयां हैं। डीजीपी का कार्यालय नवें तल पर है।

विधान सभा चुनाव को लेकर प्रियंका ने चला दांव

प्रदेश की आधी आबादी को लुभाने में जुटी कांग्रेस, आशा-आंगनबाड़ी वर्कर्स पर नजर

» 40 प्रतिशत टिकट देने का भी कर चुकी हैं ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है और इसके लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने मोर्चा संभाल लिया है। यूपी चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का ऐलान कर चुकीं प्रियंका गांधी ने एक और दांव चला है। यूपी चुनाव को देखते हुए कांग्रेस नेता ने आशा व आंगनबाड़ी वर्कर्स के लिए बड़ी घोषणा की है।

प्रियंका गांधी ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया और दावा किया कि शाहजहांपुर में अपनी मांग को लेकर सीएम से मिलने जा रही आशा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा। वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका गांधी ने लिखा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आशा बहनों पर किया गया एक-एक वार उनके द्वारा किए गए कार्यों का अपमान है। मेरी आशा बहनों ने कोरोना में और अन्य मौकों पर पूरी लगन से अपनी सेवाएं दीं। मानदेय उनका हक है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य। आशा बहनें सम्मान की हकदार हैं और मैं इस लड़ाई में उनके साथ हूं।

महिलाओं के लिए कांग्रेस की बड़ी घोषणाएं

इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बताया था कि कांग्रेस ने महिलाओं के लिए एक अलग घोषणा पत्र तैयार किया है। प्रियंका गांधी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश की मेरी प्रिय बहनों, आपका हर दिन संघर्षों से भरा है। कांग्रेस पार्टी ने उसको समझते हुए आपके लिए अलग से एक महिला घोषणा पत्र तैयार किया है। कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर सालाना भरे हुए तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। प्रदेश की सरकारी बसों में महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त होगी।

सरकारी पदों पर पर 40 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति

प्रियंका गांधी ने कहा था कि आशा और आंगनबाड़ी की मेरी बहनों को प्रतिमाह 10 हजार मानदेय मिलेगा। नए सरकारी पदों पर आरक्षण के प्रावधानों के अनुसार 40 प्रतिशत पदों पर महिलाओं की नियुक्ति की जाएगी। वृद्धा-विधवा पेंशन 1000 रुपए प्रति माह दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश की धरती की वीरांगनाओं के नाम पर प्रदेशभर में 75 दक्षता विद्यालय खोले जाएंगे। साथ ही प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देगी। छात्राओं को स्मार्ट फोन और स्कूटी देगी।

उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी आशा बहनों के मानदेय के हक और उनके सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध है और सरकार बनने पर आशा बहनों एवं आंगनबाड़ी कर्मियों को 10,000 रुपए प्रतिमाह का मानदेय देगी।

2017 विधान सभा चुनाव में कांग्रेस-सपा थी साथ

2017 में हुए विधान सभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस से समझौता कर 311 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि सहयोगी कांग्रेस ने 114 सीटों पर किस्मत आजमाया था। चुनाव में सपा को केवल 47 सीटें ही मिलीं और उसको 21.82 फीसदी वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस केवल 7 सीटें ही जीत पाई थी और उसे 6.25 फीसदी वोट मिले थे। साल 2017 में भाजपा ने 384 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे 39.67 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने 312 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। वहीं बसपा ने 403 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे केवल 19 सीटें और 22.23 फीसदी वोट मिले थे।

मिशन यूपी: अब ब्राह्मणों को एकजुट करने की तैयारी में भाजपा, दिग्गज करेंगे संवाद

» ब्राह्मण परिवार स्थापना दिवस उत्सव में शिरकत करेंगे सीएम योगी

» नाराजगी दूर करने के लिए समाज के बुद्धिजीवियों का लेंगे सहारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा सभी कील कांटे दुरुस्त करने में जुटी है। ब्राह्मणों की नाराजगी को दूर करने और एकजुट करने के लिए अब उसने ब्राह्मण परिवार के स्थापना दिवस का सहारा लिया है। इसमें खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे। यही नहीं यहां भाजपा ब्राह्मण समाज के बुद्धिजीवियों के जरिए संवाद भी स्थापित करेगी।

ब्राह्मण परिवार का 16वां स्थापना दिवस इस बार खास होगा। ब्राह्मण समाज को एकजुट करने और सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को समाज के बुद्धिजीवियों के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। 14 नवंबर को कानपुर रोड के अवस्थी लान में दोपहर एक बजे से होने वाले स्थापना दिवस उत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। ब्राह्मण परिवार के अध्यक्ष शिवशंकर अवस्थी ने बताया कि स्थापना दिवस पर समाज के लोग अपनी बात रखेंगे। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, राज्य सभा सदस्य डा.अशोक पांडेय, विधि एवं न्यायमंत्री बृजेश पाठक, सांसद डा.रीता बहुगुणा जोशी, विधायक सुरेश चंद्र तिवारी, अविनाश त्रिवेदी, सुधाकर त्रिपाठी व उमेश द्विवेदी के अलावा परिवार के सचिव राम केवल मिश्रा सहित कई पदाधिकारी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि ब्राह्मणों की नाराजगी को देखते हुए भाजपा इस उत्सव के बहाने ब्राह्मणों को साधने की कोशिश करेगी। दरअसल, भाजपा यह अच्छी तरह जानती है कि यदि ब्राह्मणों ने किनारा कर लिया तो उत्तर प्रदेश में उसका सत्ता वापसी का सपना धरा रह जाएगा। आंकड़ें भी इसकी पुष्टि करते हैं। गौरतलब है कि लंबे समय से चर्चा है कि भाजपा से ब्राह्मण नाराज हैं। इसके पीछे बड़ी वजह मंत्रीमंडल मेंअपेक्षा से कम ब्राह्मण विधायकों को शामिल करना माना जा रहा है।

क्या कहते हैं आंकड़े

आबादी के हिसाब से ब्राह्मण समुदाय का यूपी में वर्चस्व रहा है। यूपी में 11-12 फीसदी ब्राह्मण वोट बैंक हैं जो जाटव और यादव वोट बैंक के बराबर है। कई ऐसे जिले भी हैं जहां इनकी संख्या 15 फीसदी से भी अधिक है। बलरामपुर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, जौनपुर, अमेठी, वाराणसी, चंदौली, कानपुर और इलाहाबाद ऐसे ही जिले हैं। माना जाता है कि कुल 115 से अधिक सीटों पर ये हार-जीत आसानी से तय करते हैं। ऐसे में 403 सीटों में 115 सीटें काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

क्या है सियासती अहमियत

ब्राह्मण लंबे समय से किंग मेकर रहे हैं। 90 दशक के पहले यूपी की राजनीति में कांग्रेस बनाम अन्य की रही है। इसकी बड़ी वजह है कि शुरुआती दौर में ब्राह्मणों ने कांग्रेस को खूब वोट किया। इसका अंदाजा ऐसे लगा सकते हैं कि अब तक 21 में 6 मुख्यमंत्री ब्राह्मण ही रहे हैं। वे भी सभी कांग्रेस से ही रहे हैं। इसके बाद अयोध्या मंदिर आंदोलन के दौरान वोट भाजपा की ओर शिफ्ट हुआ। ब्राह्मण वोट बैंक को साधने का सबसे बड़ा प्रयोग साल 2007 में मायावती ने किया और सरकार बनाने में सफल रहीं। इसके बाद ब्राह्मण भाजपा के पाले में आ गए। साल 2007 और 2012 में भाजपा को ब्राह्मणों ने 40 और 38 फीसदी वोट दिया जबकि 2017 में 80 फीसदी वोट्स दिए तो भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार में आ गई।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चिकित्सा ढांचे को मजबूत करना जरूरी

कोरोना संक्रमण के बीच प्रदेश में जीका वायरस ने दस्तक दे दी है। इसका खतरा बढ़ता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में भी इसके दो मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इन रोगियों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री भी नहीं मिली है। वहीं कोरोना संक्रमण का खतरा टला नहीं है। ये स्थितियां बेहद चिंतित करने वाली हैं। इसकी मुख्य वजह चिकित्सा के मजबूत ढांचे का अभाव है।

कोरोना संक्रमण के बीच प्रदेश में जीका वायरस ने दस्तक दे दी है। इसका खतरा बढ़ता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में भी इसके दो मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इन रोगियों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री भी नहीं मिली है। वहीं कोरोना संक्रमण का खतरा टला नहीं है। ये स्थितियां बेहद चिंतित करने वाली हैं। इसकी मुख्य वजह चिकित्सा के मजबूत ढांचे का अभाव है। कोरोना की दूसरी लहर में प्रदेश के लोग हाहाकारी स्थिति का सामना कर चुके हैं और सरकार के बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के दावों की पोल चुकी है। ऐसे में यदि कोरोना संक्रमण और जीका वायरस का प्रकोप बढ़ा तो हालात बदतर हो सकते हैं। सवाल यह है कि कोरोना वायरस का प्रकोप झेल चुकी सरकार अभी भी चिकित्सा ढांचे को मजबूत करने पर पूरी तरह फोकस क्यों नहीं कर रही है? अस्पतालों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ और आधुनिक जांच लैबों का अभाव क्यों है? क्या केवल मेडिकल कॉलेज बना देने भर से चिकित्सा सेवाओं को दुरुस्त किया जा सकता है? क्या आम आदमी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

कोरोना महामारी ने प्रदेश के लोगों को बड़ा जख्म दिया है। दूसरी लहर में अपनों के लिए ऑक्सीजन और इलाज के लिए आम आदमी परेशान होता रहा है। श्मशानों में लाशों की कतारें लग गयी थीं। अस्पताल भर गए थे और अतिरिक्त मरीजों के इलाज के लिए कोई व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। हालांकि उस दौरान कई अस्थायी अस्पताल बनाए गए लेकिन वे पर्याप्त नहीं थे। कुल मिलाकर इसने प्रदेश के चिकित्सा व्यवस्था की पोल खोल दी थी और तब सरकार को नए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों को स्थापित करने की सुध आयी। कई मेडिकल कॉलेज बने भी। बावजूद इसके हालात अभी भी दुरुस्त नहीं हुए हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह चिकित्सकों समेत अन्य संसाधनों की कमी का होना है। हैरानी की बात यह है कि तमाम सरकारी अस्पतालों में अभी भी विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक मशीनों को संचालित करने वाले प्रशिक्षित टेक्नीशियनों की कमी बनी हुई है। कोरोना की रफ्तार कम होने के बाद इन अस्पतालों के हालत फिर जस के तस हो गए है। संसाधनों के अभाव के कारण ही कई अस्पताल मरीजों को दूसरी जगह रेफर कर अपना पल्ला झाड़ देते हैं। यह स्थिति तब है जब कोरोना का खतरा अभी भी बना हुआ है। कई राज्यों में बढ़ते केस इसकी पुष्टि करते हैं। जीका और डेंगू भी फैल रहा है। जाहिर है यदि सरकार कोरोना महामारी और अन्य रोगों से निपटना चाहती है तो उसे चिकित्सा ढांचे को मजबूत करना होगा और कुशल मानव संसाधनों की व्यवस्था करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वित्तीय समावेशन में समृद्धि की राह

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 8 नवंबर को भारतीय स्टेट बैंक इकोरैप द्वारा प्रकाशित शोध रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब वित्तीय समावेशन के मामले में जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका से आगे है। वित्तीय समावेशन अभियान के तहत गरीब और वंचित वर्ग के लिए खोले गए जनधन खातों की संख्या 20 अक्टूबर, 2021 तक 1.46 लाख करोड़ रुपये जमा के साथ 43.7 करोड़ तक पहुंच गई है। इनमें से लगभग दो-तिहाई ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं। इनमें से 78 प्रतिशत से अधिक खाते सरकारी बैंकों के पास हैं। शोध से यह भी पता चलता है कि जनधन योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग की तस्वीर बदल दी है। जिन राज्यों में प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों की संख्या ज्यादा है, वहां अपराध में गिरावट देखने को मिली है। यह भी देखा गया है कि अधिक बैंक खाते वाले राज्यों में शराब और तंबाकू उत्पादों जैसे नशीले पदार्थों की खपत में महत्वपूर्ण एवं सार्थक गिरावट आई है।

निस्संदेह भारत में गरीबों एवं कमजोर वर्ग के कल्याण को बढ़ाने के लिए वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इन्क्लूजन) के तहत वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से स्वास्थ्य, सब्सिडी, राशन, प्रशासन आदि बहुआयामी सुविधाएं सरलतापूर्वक पहुंचाए जाने का अभूतपूर्व अभियान दिखाई दे रहा है। 25 सितंबर को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में पिछले सात वर्षों में वंचित वर्ग के लोगों को जनधन योजना के माध्यम से देश की बैंकिंग व्यवस्था में शामिल किया गया है। देश में जनधन, आधार और मोबाइल (जैम) के कारण आम आदमी डिजिटल दुनिया से जुड़ गया है। देश में जिस तरह 130 करोड़ आधार कॉर्ड, 118 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता, लगभग 80 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता और जनधन बैंक खातों का विशाल एकीकृत बुनियादी डिजिटल ढांचे के माध्यम से गरीब वर्ग के करोड़ों लोगों के लिए गरिमापूर्ण जीवन के साथ सशक्तीकरण का असाधारण कार्य पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन गया है।

26 अक्टूबर को 64,000 करोड़ रुपए निवेश योजना वाला आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन देश के करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य की खुशहाली का आधार बन सकता है। इस मिशन के तहत देश के प्रत्येक जिले में औसतन 90 से 100 करोड़ स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे पर खर्च किए जाएंगे। आयुष्मान भारत-डिजिटल

मिशन देश भर के अस्पतालों के डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को एक-दूसरे से जोड़ेगा और अस्पताल की प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा। प्रत्येक नागरिक एक हेल्थ आईडी प्राप्त कर सकेगा और उनके स्वास्थ्य का लेखा-जोखा डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाएगा। यह पहल समाज के गरीब और मध्य वर्ग की चिकित्सा संबंधी दिक्कतों को दूर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत ने विज्ञान आधारित नवाचार को बढ़ावा देते हुए शीघ्रतापूर्वक कोरोना टीके को विकसित किया है और देश में रणनीतिपूर्वक कोरोना वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया। 100 से अधिक जरूरतमंद देशों को कोरोना टीकों का निर्यात भी किया गया। वहीं राष्ट्रीय एनआईसी के मुताबिक सरकार के 54 मंत्रालयों द्वारा 300 से अधिक डीबीटी योजनाएं संचालित होती हैं। इनमें पीएम किसान सम्मान निधि, सार्वजनिक वितरण सेवाएं, एलपीजी गैस सब्सिडी आदि योजनाएं शामिल हैं। पीएम किसान योजना के अंतर्गत अगस्त 2021 तक 11.37 करोड़ किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के जरिये 1.58 लाख करोड़ जमा किए जा चुके हैं। स्वामित्व योजना के तहत 6 लाख गांवों में रहने वाले ग्रामीणों के भूखंडों का ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण कराकर संपूर्ण जानकारी डिजिटलीकृत की जा रही है और ग्रामीण को भूखंडों के मालिकाना हक दिए जा रहे हैं। इससे गांवों में गरीबी और बेरोजगारी में बड़ी कमी का परिदृश्य दिखाई दे सकता है। इसके बावजूद देश में आम आदमी के कल्याण और डिजिटल सुविधाओं की डगर पर कई बाधाएं और चुनौतियां भी हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक-2021 के तहत भारत 113 देशों में 71 वें स्थान पर है। ऑक्सफेम इंडिया की रिपोर्ट के वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 में भारत का 101वां स्थान है। इंटरनेट स्पीड के मामले में भारत बहुत पीछे है। भारत ई-इंफ्रास्टक्चर के मामले में 91वें पायदान पर है और वैश्विक औसत से 30 फीसदी पीछे है। ऐसे में हम उम्मीद करें कि सरकार देश में गरीबी, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में आम आदमी को लाभान्वित करने के लिए और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगी और कमियों को दूर करेगी।

पर्यावरण सुरक्षा पर अमीर देशों की उदासीनता बेहद खतरनाक

ललित गर्ग

जलवायु संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैये को लेकर भारत की चिंता गैरवाजिब नहीं है। ग्लासगो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन (सीओपी 26) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते पर्यावरण संकट में पिछड़े देशों की मदद की वकालत की ताकि गरीब आबादी सुरक्षित जीवन जी सके। मोदी ने अमीर देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि धरती को बचाना उनकी प्राथमिकता होनी ही चाहिए, वे अपनी इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। दरअसल कार्बन उत्सर्जन घटाने के मुद्दे पर अमीर देशों ने जैसा रुख अपनाया हुआ है, वह इस संकट को गहराने वाला है। जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई है। भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं है बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं। विस्थापन बढ़ रहा है। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं, जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

जलवायु संकट से निपटने के लिए विकसित देशों को गरीब मुल्कों की मदद करनी थी। इसके लिए 2009 में एक समझौता भी हुआ था, जिसके तहत अमीर देशों को हर साल सौ अरब डालर विकासशील देशों को देने थे। पर विकसित देश इससे पीछे हट गए। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने की मुहिम को भारी धक्का लगा। इसलिए अब समय आ गया है जब विकसित देश इस बात को समझें कि जब तक वे विकासशील देशों को मदद नहीं देंगे तो कैसे ये देश अपने यहां ऊर्जा संबंधी नए विकल्पों पर काम शुरू कर पाएंगे। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सतर्क होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। रोम में सम्पन्न हुए जी-20 सम्मेलन में सभी देश धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस कम करने पर राजी हुए हैं। इसके अलावा उत्सर्जन को नियंत्रण करने के तथ्य निर्धारित किये गए हैं। जी-20 ने तो शताब्दी के मध्य तक कार्बन न्यूट्रेलिटी तक पहुंचने का वादा भी किया है। ग्लासगो सम्मेलन में भी भारत की रणनीति धनी देशों पर सौ अरब डॉलर की आर्थिक सहायता और खाद्य तकनीक के हस्तांतरण का दबाव बनाने की रही। अमीर देश कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य विकासशील और गरीब देशों पर थोपने लगे हैं। अमेरिका, चीन और ब्रिटेन जैसे देश भी कोयले से चलने वाले बिजली घरों को बंद नहीं कर पा रहे। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस इस्टीमेट रिपोर्ट में भारत को पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित उन 11 देशों में शामिल किया गया है जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में माने गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आने वाले समय में विश्व तापमान की दशा तय करने में चीन और भारत की अहम भूमिका रहने वाली है। आखिर चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक देश है। भारत भले चौथे नंबर पर है। दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) अपना उत्सर्जन कम करते जा रहे हैं। हालांकि यह कोई छुपा तथ्य नहीं है कि भारत जैसे देशों के लिए उत्सर्जन कम करना आसान नहीं है। इसके लिए जिम्मेदार सबसे बड़ा कारक कोयले का बहुतायत में इस्तेमाल है, जिसे रातोंरात कम करना संभव नहीं। वहीं अमेरिका जैसे विकसित देशों को जो पहल करनी चाहिए, वह होती दिख नहीं रही। अब तक जितने भी सम्मेलन हुए, उनका निष्कर्ष है कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य हासिल करने के लिए अमीर देश विकासशील देशों पर ही दबाव डालते रहे हैं जबकि संसाधनों के घोर अभाव के बावजूद भारत जैसे विकासशील देश ने ऊर्जा के विकल्पों पर अच्छा काम करके दिखाया है। ग्लासगो सम्मेलन तार्किक नतीजे पर पहुंचे, इसके लिए विकसित राष्ट्रों को नजरिया बदलने की जरूरत है। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। लिहाजा शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम जलवायु संकट से निपट सकेंगे।

कैसे फैलता है डेंगू?

डेंगू बुखार संक्रमित एडीज मच्छर नाम के काटने से फैलता है। मच्छरों में यह संक्रमण DEN-1, DEN-2, DEN-3, और DEN-4 वायरस से फैलता है, जिन्हें सीरोटाइप कहा जाता है। ये चारों वायरस अलग-अलग तरीके से एंटीबॉडी पर असर डालते हैं। जब संक्रमित मच्छर व्यक्ति का खून चूसता है तो वो इसकी चपेट में आ जाते हैं। डेंगू सीधे तौर पर नहीं फैलता।

किस समय काटते हैं डेंगू मच्छर?

बता दें कि डेंगू के मच्छर रात के समय नहीं बल्कि दिन के समय काटते हैं, खासतौर पर सूरज उगने के 2 घंटे बाद और सूर्य डूबने से 1 घंटे पहले। हालांकि यह डेंगू के मच्छर रात के समय भी एक्टिव रहते हैं लेकिन काटते नहीं।

ऐसे करें बचाव डेंगू

जहां एक तरफ कोरोना का डर लोगों के मन से निकला नहीं। वहीं अब डेंगू ने अपने पैर पसारना शुरू कर दिया है। देश के कई राज्यों में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी भी जारी की है। डॉक्टरी दवा की नौबत ना आए ऐसे में जरूरी है कि आप पहले ही सावधानी बरतें। चलिए आपको बताते हैं कि डेंगू कैसे फैलता है और इससे कैसे रखा जाए बचाव...

इन जगहों पर ज्यादा खतरा

डेंगू मच्छर उन जगहों पर ज्यादा होते हैं, जहां अच्छी रोशनी होती है। यह मच्छर ज्यादातर ऑफिस, मॉल, स्टेडियम और इनडोर ऑडिटोरियम में ज्यादा होते हैं क्योंकि यहां आर्टिफिशियल लाइट्स यूज होती हैं और नेचुरल रोशनी कम आती है।

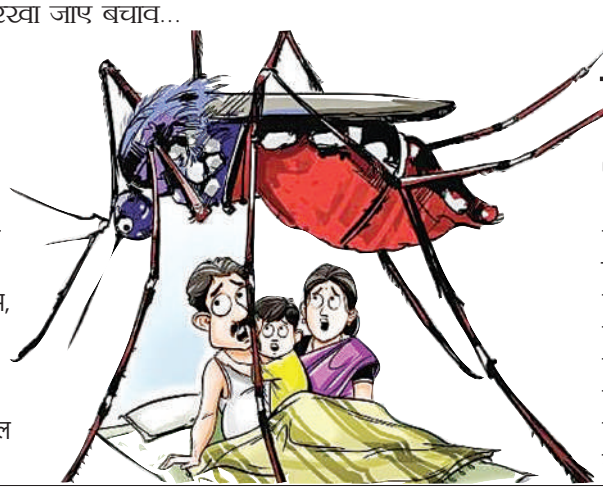

इन बातों का भी रखें ध्यान

डेंगू के लिए कोई निश्चित दवा नहीं है इसलिए बुखार होने पर खूब आराम करें और खून में प्लेटलेट्स की नियमित जांच करवाएं। शरीर में पानी की बिल्कुल कमी ना होने दें। गिलोय, पपीता, कीवी, अनार, चुकंदर और हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें।

याद रखें ये बातें

1. चूंकि डेंगू मच्छर दिन के समय काटता है इसलिए खुद को बचाएं। पूरे कपड़े पहनकर घर से बाहर निकले। बाहर मच्छरों से बचने के लिए क्रीम, स्प्रे या ट्री ऑयल लगाएं।
2. घर के आस-पास या घर के अंदर पानी जमा ना होने दें क्योंकि यह गंदे पानी में भी पनपते हैं। कूलर, गमले, टायर में जमा पानी बहा दें। यहां तक कि पालतू जानवरों के बर्तन को भी समय-समय पर साफ करें।
3. सिर्फ रात के समय ही नहीं दिन के समय भी मच्छरदानी की इस्तेमाल करें।
4. मच्छरों को मारने के लिए घर में समय-समय पर स्प्रे करवाएं।
5. ठंडा पानी न पीएं और बासी खाना खाने से भी परहेज करें। इसके अलावा पानी उबालकर या फिर फिल्टर करके पिएं।

दिखें ये लक्षण तो हो जाए सावधान

डेंगू के लक्षणों की बात करें तो यह 4 से 6 दिन बाद दिखाई देते हैं, जो 10 दिनों तक रहते हैं। इसके कारण पूरे शरीर में तेज दर्द होता है इसलिए कुछ लोग इसे हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं इनमें

- अचानक तेज बुखार
- बहुत तेज सिर दर्द - थकान
- आंखों के पीछे दर्द
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द व ऐंठन,
- मितली, उल्टी
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- नाक या मसूड़ों से हल्की ब्लीडिंग जैसे लक्षण दिखाई देते हैं ।

हंसना मना है

ससुर: मेरी बेटी का ख्याल रखना, इसकी आंखों में आंसू ना आने पाए।
दामाद: ठीक है प्याज मैं काट दूंगा, पर बर्तन तो इसे ही मांजने पड़ेंगे।

करवा चौथ के अवसर पर दुकान की पिंकी ने सभी चूड़ियां देखी ली... पिंकी: सामने वाले डिब्बे में क्या है? दुकानदार: बहन, रहम कर थोड़ा, उसमें मेरा लंच है।

मोटू- भाई कल सर्कस देखने चलेंगे
पतलू- अपनी बीवी को भी लाऊंगा
मोटू- शेर के पिंजरे में अगर तेरी वाइफ और साली दोनों गिर गयी तो तू किसको बचाएगापतलू- मोटू मैं तो शेर को बचाऊंगा, आखिर दुनिया में अब शेर बचे ही कितने हैं।

भिखारी: बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। पप्पू: पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी: मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

टीचर: तुमने कभी कोई नेक काम किया है? राजू: हां सर एक बुजुर्ग धीरे धीरे अपने घर जा रहे थे.. मैंने कुत्ता पीछे लगा दिया जल्दी पहुंच गए।

कहानी — कुछ नहीं

तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के निकट होने के कारण बहुत से लोग उनसे जलते थे। उनमें से एक था रघु नाम का ईर्ष्यालु फल व्यापारी। उसने एक बार तेनालीराम को षड्यंत्र में फसाने की युक्ति बनाई। उसने तेनालीराम को फल खरीदने के लिए बुलाया। जब तेनालीराम ने उनका दाम पूछा तो रघु मुस्कुताते हुए बोला, आपके लिए तो इनका दाम 'कुछ नहीं' है। यह बात सुन कर तेनालीराम ने कुछ फल खाए और बाकी थैले में भर आगे बढ़ने लगे। तभी रघु ने उन्हें रोका और कहा कि मेरे फल के दाम तो देते जाओ। तेनालीराम रघु के इस सवाल से हैरान हुए, वह बोले कि अभी तो तुमने कहा की फल के दाम 'कुछ नहीं' है। तो अब क्यों अपनी बात से पलट रहे हो। तब रघु बोला की, मेरे फल मुफ्त नहीं है। मैंने साफ-साफ बताया था की मेरे फलों का दाम कुछ नहीं है। अब सीधी तरह मुझे 'कुछ नहीं' दे दो, वरना मैं राजा कृष्ण देव राय के पास फरियाद ले कर जाऊंगा और तुम्हें कठोर दंड दिलाऊंगा। तेनालीराम सिर खुझलाने लगे। और यह सोचते-सोचते वहाँ से अपने घर चले गए। उनके मन में एक ही सवाल चल रहा था कि इस पागल फल वाले के अजीब षड्यंत्र का तोड़ कैसे खोजूँ। इसे कुछ नहीं कहाँ से लाकर दूँ। अगले ही दिन फल वाला राजा कृष्ण देव राय के दरबार में आ गया और फरियाद करने लगा। वह बोला की तेनाली ने मेरे फलों का दाम 'कुछ नहीं' मुझे नहीं दिया है। राजा कृष्ण देव राय ने तुरंत तेनालीराम को हाजिर किया और उससे सफाई मांगी। तेनालीराम पहले से तैयार थे उन्होंने एक रत्न-जड़ित संदूक लाकर रघु फल वाले के सामने रख दिया और कहा ये लो तुम्हारे फलों का दाम। उसे देखते ही रघु की आँखें चौंधिया, उसने अनुमान लगाया कि इस संदूक में बहुमूल्य हीरे-जवाहरात होंगे, वह रातों-रात अमीर बनने के ख्वाब देखने लगा। और इन्ही ख्यालों में खोये-खोये उसने संदूक खोला। संदूक खोलते ही मानो उसका ख्वाब टूट गया, वह जोर से चीखा, ये क्या? इसमें तो 'कुछ नहीं' है! तब तेनालीराम बोले, बिलकुल सही, अब तुम इसमें से अपना 'कुछ नहीं' निकाल लो और यहाँ से चलते बनो। वहां मौजूद महाराज और सभी दरबारी ठहाका लगा कर हंसने लगे। और रघु को अपना सा मुंह लेकर वापस जाना पड़ा। एक बार फिर तेनालीराम ने अपने बुद्धि चातुर्य से महाराज का मन जीत लिया था।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृषभ — आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क — अप्रत्याशित लाभ होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी।

सिंह — पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अतः सावधान रहें। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। धैर्य रखें।

कन्या — पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी।

तुला — कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु — लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा।

मकर — नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी।

कुम्भ — धन लाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी।

मीन — प्रसन्नता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

उर्फी जावेद ने ट्रेडिशनल लुक में बरपाया कहर

बॉलीवुड | मसाला

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस उर्फी जावेद हमेशा ही किसी न किसी कारण छाई रहती हैं। अपने हुस्न और हॉटनेस से सोशल मीडिया पर सनसनी मचाने वाली उर्फी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस और स्टाइलिश अंदाज की वजह से लाइफलाइट में रहती हैं। उर्फी के ड्रेसिंग सेंस ने हर किसी को दीवाना बना दिया है।

उर्फी ने फिर उड़ाए लोगों के होश

अब एक बार फिर से उर्फी को ऐसे अवतार में देखा गया है, जिस पर सभी की नजरें टिकी रह गई हैं। इसी कारण वह चर्चा में भी बनी हुई हैं। उर्फी ने फिर से अपने नए फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। अक्सर बोल्ड अवतार में नजर आने वाली उर्फी ने इस बार ट्रेडिशनल लुक में फोटोज शेयर कर सभी के होश उड़ा दिए हैं।

उर्फी ने दिखाया ट्रेडिशनल अवतार

हाल ही में उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ट्रेडिशनल अवतार में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि उर्फी ने यलो कलर की साड़ी कैरी की हुई है। अपने लुक को हॉट बनाने के लिए उन्होंने डीप नेक ब्लाउज पहना हुआ है। एक्ट्रेस का साड़ी पहनने का अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

उर्फी की अदाओं ने किया घायल

इन तस्वीरों में उर्फी की अदाएं बेहद कातिल हैं। एक्ट्रेस ने फिर से सभी को मदहोश कर दिया है। उर्फी के फैंस उनके इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। इस पर कमेंट करते हुए यूजर्स हार्ट, फायर और हॉट जैसे इमोजी बना रहे हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है।

आउटफिट के कारण सुर्खियों में रहती हैं उर्फी

बता दें कि उर्फी हाल ही में बिग बॉस ओटीटी में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। वह शो से आउट होने वाली पहली सदस्य थीं। शो से बाहर आने के बाद से एक्ट्रेस अपने ड्रेसअप की वजह से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। उर्फी हर रोज अपने आउटफिट को फ्लॉन्ट करते देखी जाती हैं।

फैंस से रूबरू होती रहती हैं उर्फी

मालूम हो कि उर्फी अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया साइट्स पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस के होश उड़ाती नजर आती हैं। फैंस भी उनके लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आज वह उस मुकाम पर हैं जहां फैंस उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

खुद को मां बनते हुए देखना चाहती हूं : कंगना

कंगना रनौट अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। कंगना रनौट को मनोरंजन जगत में अपने योगदान के लिए हाल ही में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। अब कंगना ने एक इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टाइम्स नाउ समिट के दौरान कंगना रनौट ने आने वाले सालों की योजना के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि वह आगामी 5 साल के समय में खुद को एक पत्नी और मां बनते हुए देखना चाहती हैं। कंगना से पूछा गया कि वह आने वाले 5 साल में खुद को किस जगह देखती हैं। कंगना रनौट ने कहा कि वह खुद को एक पत्नी और एक मां के रूप में देखना चाहती हैं। कंगना ने कहा कि वह आने वाले समय में जल्द मां बनने के अनुभव से होकर गुजरेंगी। जब कंगना से रिलेशनशिप में होने और होने वाले पति के नाम के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा, फिलहाल हमें इस विषय को यहीं छोड़ देना चाहिए। लेकिन जल्द ही लोगों को सार्वजनिक तौर पर इस बारे में पता चलेगा। कंगना रनौट को हाल ही में भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इससे पहले कंगना ने चौथी बार बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म पुरस्कार अपने नाम किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना रनौट इन दिनों अपने प्रोडक्शन हाउस की फिल्म टीकू वेड्स शेरु की शूटिंग में बिजी है। इस फिल्म में कंगना बतौर प्रोड्यूसर काम कर रही हैं। वहीं वह तेजस, धाकड़, मणिकर्णिका रिटर्न्स और सीता जैसी फिल्मों में एक्टिंग करते नजर आएंगी।

माधवन और सुरवीन सिखाएंगे शादी की नई परिभाषा

बॉलीवुड और साउथ एक्टर आर माधवन। अब अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए बिल्कुल तैयार हैं। उन्हें जल्द ही नेटफ्लिक्स की आगामी कॉमेडी ड्रामा सीरीज डिकपल्ड में देखा जाने वाला है। इसमें उनके साथ पहली बार एक्ट्रेस सुरवीन चावला नजर आएंगी। माधवन ने कहा, मैं आर्य का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पल्प-फिक्शन लेखक है, जो निष्पक्षता और स्पष्टता के साथ-साथ समझौता नहीं करता है। वहीं शो में सुरवीन मेरी शांत पत्नी श्रुति का रोल कर रही है। सुरवीन के साथ काम करके बहुत खुशी हुई और मुझे उम्मीद है कि हमने स्क्रीन पर जो केमिस्ट्री और हास्य पैदा करने की कोशिश की है, वह दर्शकों को भी खूब हंसाएगा। अब डिकपल्ड का मजेदार ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। जिसके बाद से ही दर्शकों में इसके लिए काफी उत्सुकता बढ़ गई है। इसे 17 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाने वाला है। माधवन को आर्य और सुरवीन को श्रुति के रूप में देखा जाएगा। दोस्तों से लेकर जीवन साथी तक आर्य और श्रुति बहुत कुछ झेल चुके हैं। व्यंग्यात्मक, मुखर पल्प फिक्शन लेखक आर्य और उसकी कॉर्पोरेट सूट की सीईओ पत्नी श्रुति अपनी शादी के बाद जॉब छोड़ने का फैसला करती है।

सुरवीन ने भी किरदारों पर बात

सुरवीन चावला ने कहा कि डिकपल्ड एक आधुनिक जोड़े के रिश्ते पर प्रकाश डालती है जो अपनी पवित्रता को बरकरार रखने की कोशिश करते हुए शादी की बारीकियों के माध्यम से काम करने की कोशिश कर रहा है। माधवन मेरे पति आर्य का किरदार बेहद सहजता से निभा रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है।

शानदान होगा माधवन का किरदार

डिकपल्ड के बारे में बोलते हुए, निर्माता मनु जोसेफ ने कहा कि यह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो किसी भी स्थिति में देख सकता है कि कैसे दूसरों को अनदेखा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्वाभाविक रूप से, वह जहां भी जाता है, लेकिन उसकी परेशानी कम नहीं होती है। हमारा लक्ष्य कहानी को वास्तविक रखना था।

इस रहस्यमयी कुंड की सिर्फ तीन बूंदों से बुझ जाती है प्यास

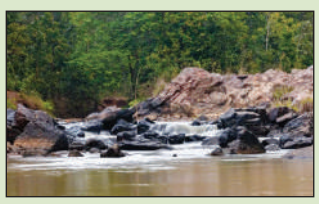

भारत में कई प्राचीन और रहस्यमयी मंदिर हैं जिनके बारे में कई कहानी प्रचलित हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक कुंड है जो रहस्यों से भरा हुआ है। इस कुंड में जल कहां से आता है और यह कितना गहरा है? इसके बारे में जानने की कोशिश की गई, लेकिन कभी कामयाब नहीं मिली। आईए जानते हैं इस रहस्यमयी कुंड के बारे में... इस कुंड का नाम भीमकुंड है और इसके बारे में एक पौराणिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि महाभारत काल में अज्ञातवास के दौरान पांडव यहां से जा रहे थे। इस दौरान द्रोपदी को प्यास लगी और पांडवों ने आस-पास पानी खोजा, लेकिन कहीं पानी नहीं मिला। तब धर्मराज युधिष्ठिर ने नकुल को याद दिलाया कि उनके पास इतनी शक्ति है कि वह पाताल की गहराई में स्थित पानी की खोज कर सकते हैं। इसके बाद नकुल ने ध्यान लगाया और खोज लिया कि कहां पर जल है। लेकिन पानी कैसे मिले यह परेशानी खत्म नहीं हुई। कथा के मुताबिक, द्रोपदी को प्यास से तड़पता देख भीम ने अपनी गदा से पानी वाले स्थान पर वार किया। गदा के प्रहार के बाद भूमि में कई छेद हो गए और जल नजर आने लगा। भूमि की सतह से जल स्रोत करीब तीस फीट नीचे था। फिर युधिष्ठिर ने अर्जुन से कहा कि अपने धनुर्विद्या का कौशल दिखाओ और जल तक पहुंचने का रास्ता बनाओ। इसके बाद अर्जुन ने अपने बाणों से जल स्रोत तक सीढ़ियां बना डालीं। इन्हीं सीढ़ियों से द्रोपदी जल स्रोत तक पहुंची। यह कुंड भीम की गदा से बना जिसकी वजह से इसको भीमकुंड के नाम से जाना जाता है। दूसरी मान्यता यह है कि भीमकुंड एक शांत ज्वालामुखी है। कई भू-वैज्ञानिकों ने इसकी गहराई मापने की कोशिश की, लेकिन कुंड के तल का पता नहीं चल पाया। बताया जाता है कि कुंड की अस्सी फिट की गहराई में तेज जलधाराएं प्रवाहित होती हैं। यह धाराएं शायद इसको समुद्र से जोड़ती हैं। भू-वैज्ञानिकों के लिए भी भीमकुंड की गहराई रहस्य है। मान्यता है कि भीमकुंड में स्नान करने से त्वचा संबंधी बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं। अगर कोई कितना भी प्यासा हो इस कुंड की तीन बूंदों से उसकी प्यास बुझ जाती है। अगर देश के ऊपर कोई बड़ा सकट आने वाला होता है, तो इस जलकुंड का जलस्तर बढ़ जाता है।

अजब-गजब | रैनबो आईलैंड के नाम से भी जाना जाता है इस आईलैंड को

मसाले की तरह खाने में मिट्टी डालकर खाने के शौकीन हैं यहां के लोग

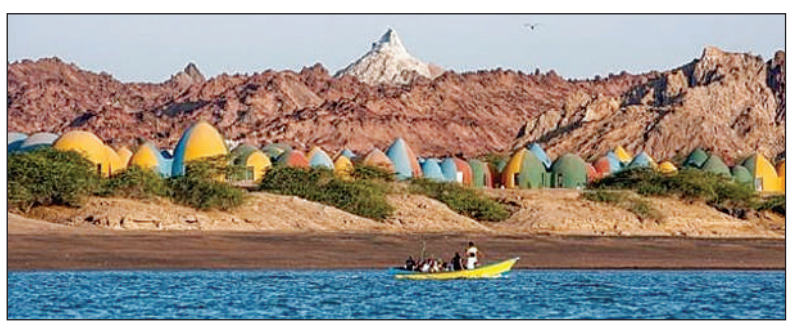

अलग देशों में भिन्न भिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं। लेकिन इन व्यंजनों को बनाने के लिए मसालों का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। क्योंकि बिना मसालों के खाने में किसी भी प्रकार का स्वाद नहीं आता। आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां के लोग खाने में मसालों की जगह मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि यहां की मिट्टी बेहद स्वादिष्ट होती है और इसके साथ ही सेहतमंद भी। इसलिए लोग मिट्टी को खाने में मसाले की तरह इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ईरान के होरमूज आइलैंड की। पइस आइलैंड पर रहने वाले लोग मसालों की जगह मिट्टी का खाने में इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि खूबसूरत पहाड़ों की वजह से यह आईलैंड वहां के लोगों के लिए बेहद खास है। लेकिन इन पहाड़ों की सबसे खास बात है कि यहां की मिट्टी रंग बिरंगी है जिसकी वजह से इस आईलैंड को रैनबो आईलैंड के नाम से भी जाना जाता है। ईरान के इस आईलैंड के खूबसूरत रंग-बिरंगे पहाड़ों की तस्वीरें कई बार सोशल मीडिया में आ चुकी हैं। जिन्हें देखकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे और सोच में पड़ जाएंगे कि आखिर मिट्टी इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती है। आपने भी शायद पहली ही बार सुना होगा कि ईरान के इन खूबसूरत पहाड़ों की मिट्टी मसाले की तरह खाई जाती है। पयही नहीं यहां पर आने वाले पर्यटक भी इन पहाड़ों की मिट्टी का स्वाद लेना नहीं भूलते। हालांकि पहले तो वह मिट्टी खाने से कतराते हैं, लेकिन जब उनका गाइड उन्हें मिट्टी खाने की सलाह देता है तो वह शौक से उसे खाते हैं और दंग रह जाते हैं। बता दें कि यह खूबसूरत आईलैंड फारस की खाड़ी में स्थित है और यहां की मिट्टी में भरपूर खनिज हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां की मिट्टी में बहुत ज्यादा आयरन और लगभग 70 तरह के खनिज पाए जाते हैं।

यही नहीं, यहां के पहाड़ों पर नमक के टीले भी मौजूद हैं। इन पहाड़ों पर शेल, मिट्टी और आयरन की परतें जमी हुई हैं। जिसकी वजह से पहाड़ रंग बिरंगे नजर आते हैं। ब्रिटेन के जियोलॉजीकल रिसर्च की चीफ भूवैज्ञानिक डॉ। कैथरीन गुडइनफ के मुताबिक, करोड़ों साल पहले फारस की खाड़ी के पास स्थित उथले सागरों में नमक की मोटी परत जम गई थी। इसके बाद से इसके ऊपर नई परतें जमा होती गईं। जिससे इस आइलैंड की मिट्टी खूबसूरत हो गई।

रेल यात्रियों को राहत, बढ़े किराए को खत्म करने का ऐलान

मंत्रालय ने तत्काल प्रभाव से पुरानी व्यवस्था को लागू करने का दिया आदेश

» यात्रा की श्रेणियों और ट्रेनों के प्रकार के अनुसार लिया जाएगा किराया

» प्रक्रिया शुरू होने में लग सकता है कुछ समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। मंत्रालय ने आदेश जारी कर मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए विशेष का टैग हटा दिया है और तत्काल प्रभाव से महामारी से पहले का किराया बहाल कर दिया। कोरोना वायरस के कारण लागू लाकडाउन में ढील देने के बाद से रेलवे केवल विशेष ट्रेनों का ही संचालन कर रहा है।

जोनल रेलवे को शुक्रवार को भेजे गए पत्र में रेलवे बोर्ड ने कहा है कि ट्रेनें अब अपने नियमित नंबर के साथ संचालित की जाएंगी और किराया भी महामारी से पहले

का होगा। विशेष ट्रेनों और हॉलीडे स्पेशल ट्रेनों का किराया मामूली रूप से ज्यादा होगा। आदेश में कहा गया कि कोरोना महामारी को ध्यान रखते हुए सभी नियमित मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें एमएसपीसी (मेल-एक्सप्रेस विशेष) और एचएसपी (हॉलीडे स्पेशल) के रूप में संचालित हो रही हैं। अब फैसला लिया गया है कि वर्किंग टाइम टेबल 2021 में शामिल एमएसपीसी और एचएसपी ट्रेन सेवाएं नियमित नंबरों पर संचालित होंगी। यात्रा की संबंधित श्रेणियों और ट्रेनों के प्रकार के अनुसार किराया लिया जाएगा। बता दें कि कोरोना महामारी से पहले लगभग 1700 मेल एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही थीं लेकिन महामारी के कारण इन ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा था।

महामारी से देश के प्रभावित होने के बाद से भारतीय रेलवे पूरे देश में पूर्ण आरक्षण के साथ विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है। इन विशेष ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सामान्य ट्रेनों की तुलना में 30 फीसद ज्यादा किराया देना पड़ता था। हालांकि आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जोनल रेलवे कब से महामारी से पूर्व की नियमित सेवाओं में वापस आएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जोनल रेलवे को निर्देश दिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से है लेकिन प्रक्रिया में एक-दो दिन लग सकता है।

मनीष हत्याकांड: करीबी चंदन सैनी समेत दो से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की हत्या के मामले में गोरखपुर पहुंची सीबीआई टीम जांच पड़ताल में जुट गयी है। सीबीआई ने मनीष गुप्ता के गोरखपुर के परिचितों को बुलाकर उनसे घंटों पूछताछ की है। इस दौरान मनीष गुप्ता से उनके संबंध और गोरखपुर आने की वजह को भी जानने की कोशिश सीबीआई ने की है।

पूछताछ के लिए तलब किए गये गोरखपुर के राणा प्रताप ने बताया कि उन्हें और चंदन सैनी को सीबीआई द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इस दौरान मनीष गुप्ता की मौत से जुड़े सभी पहलुओं को लेकर सीबीआई ने दो घंटे की पूछताछ में करीब पचास सवाल पूछे हैं जबकि चंदन सैनी से सीबीआई टीम द्वारा चार घंटे की पूछताछ की गयी है। हालांकि मनीष का तीसरा परिचित धनंजय किसी कारण नहीं आ पाया। राणा प्रताप और चंदन को रविवार को दोबारा सीबीआई टीम ने बुलाया है। इसके अलावा सीबीआई मनीष के दो दोस्त प्रदीप कुमार और हरवीर सिंह को भी जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाएगी।

राजस्थान में सियासी उठापटक

सचिन पायलट ने कांग्रेस हाईकमान को सौंपी रिपोर्ट

» मंत्रिमंडल विस्तार से पहले रखा अपना पक्ष, सीएम गहलोत भी कर चुके हैं सोनिया से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सियासी उठापटक जारी है। दिल्ली दरबार में सीएम अशोक गहलोत के बाद अपनी मांगों को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट भी हाजिरी लगा चुके हैं। हाईकमान दोनों गुटों की बात सुनने के बाद जल्द कोई फैसला ले सकता है।

सचिन पायलट ने शुक्रवार को राजस्थान कांग्रेस से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को कुछ रिपोर्ट्स भी सौंपी, वहीं अपने समर्थकों की मंत्रिमंडल और सरकार में हिस्सेदारी को लेकर अपनी बात रखी। पायलट ने कहा कि

जिन कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया है, उन्हें मान-सम्मान मिलना चाहिए। विधानसभा चुनाव अब बहुत दूर नहीं हैं। कांग्रेस आलाकमान अब राजस्थान में गहलोत और पायलट के बीच सुलह-समझौता में किसी तरह की देरी नहीं करना चाहता है। मंत्रिमंडल विस्तार में देरी अब तक दोनों गुटों में खींचतान की सबसे बड़ी वजह थी। जिसे अब दूर करने के लिए सभी मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है। प्रदेश में मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावना है।

पंजाब चुनाव: आप ने जारी की उम्मीदवारों की पहली सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पहली सूची में 10 उम्मीदवारों का नाम है। दिल्ली में सत्तारूढ़ आप ने कोटकपूरा सीट से कुलतार सिंह सांधवां को मौका दिया है। वहीं, बरनाला से पार्टी ने गुरमीत सिंह को मैदान में उतारा है।

सूची में गढ़शंकर सीट से जय किशन रूडी, जगरांव से सरवजीत कौर मनुके, निहाल सिंह वाला से मंजीत बिलासपुर, कोटकपूरा से कुलतार सिंह सांधवां, तलवंडी साबो से बलजिंदर कौर, बुढलाडा से प्रिंसिपल बुधराम, दिरबा से हरपाल सिंह चीमा, सुनाम से अमन अरोरा, बरनाला से गुरमीत सिंह, मेहल कलां से कुलवंत पंडोरी का नाम शामिल है। गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रमन बहल ने आप का दामन थाम लिया था बहल माझा क्षेत्र से आते हैं और राज्य में सत्ता हासिल करने के प्रयास में आप भी विस्तार करने में जुटी है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति को उम्रकैद

» एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाई सजा, दो अन्य को भी आजीवन कारावास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूबे के पूर्व काबीना मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई। विशेष अदालत ने इस मामले में गायत्री के दो सहयोगी आशीष शुक्ला व लेखपाल अशोक तिवारी को भी उम्रकैद की सजा सुनाई है। गायत्री समेत तीनों अभियुक्तों पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है।

विशेष जज पवन कुमार राय ने कहा है कि जुर्माने की समस्त धनराशि पीड़िता की नाबालिग बेटी को दी जाएगी क्योंकि इस मामले में पीड़िता का आचरण ऐसा नहीं रहा कि उसे जुर्माने का भुगतान किया जाए। उसकी बड़ी बेटी भी पक्षद्रोही घोषित हो चुकी है। ऐसे में उसकी छोटी बेटी ही वास्तव में पीड़िता है जिसके पुर्नवास की जरूरत है। लिहाजा अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि उसे ही दी जाए। बीते बुधवार को विशेष जज ने इन तीनों अभियुक्तों को आईपीसी की धारा

376 डी व पॉक्सो एक्ट की धारा 5जी/6 के तहत दोषी करार दिया था लेकिन पॉक्सो एक्ट के प्रावधानो के मुताबिक जिस धारा के तहत अधिक सजा होगी, अभियुक्त को उसी धारा से दंडित किया जाएगा। लिहाजा उन्होंने अभियुक्तों को सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि 18 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह अभियुक्तों के खिलाफ थाना गौतमपल्ली में सामूहिक दुष्कर्म, जानमाल की धमकी व पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पीड़िता की अर्जी पर दिया था। पीड़िता ने गायत्री प्रजापति व उनके साथियों पर गैंगेरप का आरोप लगाते हुए अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी जबरन शारीरिक संबध बनाने का इल्जाम लगाया था।

अलीगढ़ में भिड़े वाहन, दो की मौत, दर्जन भर घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। लोधा इलाके में थाना बन्ना देवी क्षेत्र के खेरेश्वर हाईवे पर शुक्रवार देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ। आधा दर्जन वाहन आपस भिड़ गए। हादसे में मैक्स जीप में सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लोधा इलाके में खेरेश्वर हाईवे पर लोधा बॉर्डर पुल के निकट सब्जी से भरी एक मैक्स जीप जा रही थी। उसके दोनों तरफ ट्रक निकल रहे थे। अचानक दोनों ट्रकों के बीच में मैक्स बुरी तरह चकनाचूर हो गयी। मैक्स में बैठे दो सवारों की मौके पर मौत हो गयी। घटना के बाद वाहनों की कतारें लग गयीं। तभी अचानक घटना स्थल से करीब 2 सौ मीटर की दूरी पर जाम के चलते ट्रक में पीछे से रोडवेज की तीन बसें आपस में टकरा गयीं। तेज गति होने के कारण टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि रोडवेज बस की सीट उखड़ गयीं। सवारियों में चीख पुकार मच गयी। बस की सवारियों में करीब दर्जन भर सवारियां घायल हो गयीं।

चुनाव से पहले विवादित बयानों से फंस गयी कांग्रेस!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस को लगता है विपक्ष की जरूरत नहीं है। हर चुनाव से पहले कांग्रेस नेता ही उसकी फजीहत कराते हैं। पहले सलमान खुर्शीद ने हिंदुत्व की तुलना आतंकी संगठन से की और फिर राशिद अल्वी ने जयश्री राम का नारा लगाने वालों को राक्षस बता दिया। इस बयान के बाद भाजपा ने मोर्चा संभाल लिया। सवाल यह है कि कांग्रेस चुनाव से पहले सेल्फ गोल क्यों करती है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, राजेश बादल, अजय शुक्ला, ममता त्रिपाठी, कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

बड़ा सवाल, क्या रणनीति के तहत दिए जा रहे हैं बयान

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

श्रवण गर्ग ने कहा, भाजपा ने हिंदुत्व को हथियार बना लिया है ऐसे में यदि कांग्रेस को यूपी में अपना अस्तित्व बचाना है तो उसे अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और दलितों को साथ लेना होगा। यह बयान इसी रणनीति के तहत दिए गए हैं। र

सलमान खुर्शीद ने हिंदुत्व के बारे में नहीं बल्कि पॉलिटिकल हिंदुत्व के बारे में कहा है। सलमान जिहादी इस्लाम और पॉलिटिकल हिंदुत्व की आलोचना की है। अजय शुक्ला ने कहा, सलमान खुर्शीद ने क्या गलत लिखा। क्या देश में हिंदू आतंकवाद नहीं है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। यह कांग्रेस की किताब नहीं है। यह खुर्शीद के अपने विचार हैं। ममता त्रिपाठी ने कहा, चुनाव के समय कांग्रेस के नेताओं को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। इससे वे वोटर भी नाराज होंगे जो प्रियंका की वजह से पार्टी से जुड़ना चाहते हैं।

राजेश बादल ने कहा, कांग्रेस में हमेशा से आतंरिक रूप से विपक्ष रहा है। असहमति स्वरों को बांध नहीं सकते हैं। क्या भाजपा में ऐसा हो सकता है। ये बयान कांग्रेस को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। अंशु अवस्थी ने कहा, इन बयानों से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। प्रबुद्ध वर्ग को इस किताब को पढ़कर इस पर चर्चा करानी चाहिए। भाजपा के पास कोई विचारधारा नहीं है।

राजभाषा को मजबूत करने की जरूरत : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री वाराणसी में बोले- गुजराती से ज्यादा मुझे हिंदी भाषा पसंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी के हस्तकला संकुल में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को गृहमंत्री अमित शाह संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को राजधानी दिल्ली से बाहर करने का निर्णय हमने वर्ष 2019 में ही कर लिया था। कोरोना काल की वजह से हम नहीं कर पाएं, लेकिन आज मुझे खुशी हो रही है कि ये नई शुभ शुरुआत आजादी के अमृत महोत्सव में होने जा रही है।

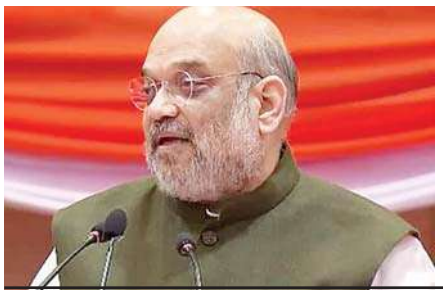

35 वर्ष तक भाजपा को करना है शासन

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वाराणसी में प्रदेश भाजपा की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए मंत्र दिया। अमित शाह ने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश का चुनाव देश में आमूलचूल परिवर्तन करने वाला चुनाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि जिस लक्ष्य के लिए भाजपा की स्थापना की गई थी, उसके पास हम पहुंच चुके हैं। भारत माता को विश्व गुरु के स्थान पर बैठाना हम सबका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 2022 के चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ पार्टी को लाना है। भाजपा को 35 वर्ष तक सत्ता में रहते हुए मजबूत नींव बनाकर शासन करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अमृत महोत्सव, देश को आजादी दिलाने वाले लोगों की स्मृति को फिर से जीवंत करके युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए तो है ही, ये हमारे लिए संकल्प का भी वर्ष है। अमित शाह ने कहा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत में देश के सभी लोगों का आह्वान करना चाहता हूं कि स्वभाषा के लिए हमारा एक लक्ष्य जो छूट गया था, हम उसका स्मरण करें और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। हिंदी और हमारी सभी स्थानीय भाषाओं के बीच कोई अंतर्विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे गुजराती से ज्यादा हिंदी भाषा पसंद है। हमें अपनी राजभाषा को मजबूत करने की जरूरत है। गृहमंत्री ने कहा कि पहले हिंदी भाषा के लिए बहुत सारे विवाद खड़े करने का प्रयास किया गया था, लेकिन वो वक्त अब समाप्त हो गया है। पीएम मोदी ने गौरव के साथ हमारी भाषाओं को दुनिया भर में प्रतिस्थापित करने का काम किया है। गृहमंत्री ने कहा कि जो देश अपनी भाषा खो देता है, वो देश अपनी सभ्यता, संस्कृति और अपने मौलिक चिंतन को भी खो देता है। जो देश अपने मौलिक चिंतन को खो देते हैं वो दुनिया को आगे बढ़ाने में योगदान नहीं कर सकते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली लिपिबद्ध भाषाएं भारत में हैं। उन्हें हमें आगे बढ़ाना है। भाषा जितनी सशक्त और समृद्ध होगी, उतनी ही संस्कृति और सशक्त होगी। अपनी भाषा से लगाव और अपनी भाषा के उपयोग में कभी भी शर्म मत कीजिए, ये गौरव का विषय है।

आगरा में युवती की मौत पर बवाल, दो समुदाय भिड़े

भीड़ सहित पुलिस पर भी पथराव का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा में युवती की संदिग्ध मौत के बाद बवाल मच गया है। मामला शाहगंज थाना क्षेत्र के चिल्ली पाड़ा का है। यहां एक युवती की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवती ने अल्पसंख्यक समुदाय के युवक के साथ एक साल पहले लव मैरिज की थी। युवती की मौत की खबर पाकर परिजन और भाजपा नेता मौके पर पहुंचे। इसके बाद दो समुदायों में विवाद हो गया इलाके में पथराव और फायरिंग भी हुई।

बताया जा रहा है कि एक साल पहले वर्षा ने अरमान से लव मैरिज की थी। दोनों घर से भाग गए थे। कुछ दिन बाद युवक युवती के साथ शाहगंज चिल्ली पाड़ा में अपने घर रहने लगा था। युवती का शव कल फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही हंगामा मच गया. वहीं, युवक मौके से फरार हो गया। वहीं, खबर मिलते ही लड़की के परिजन और भाजपा नेता मौके पर पहुंच गए. इसके बाद दोनों समुदायों में विवाद हो गया। पुलिस पर भी पथराव के आरोप है। पथराव और फायरिंग की घटना के बाद भाजपा विधायक राम प्रताप सिंह चौहान और योगेंद्र उपाध्याय थाने पहुंच गए। विधायकों की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाने में जमकर नारेबाजी की। भाजपा के विधायक ने अरमान और उसके घरवालों के खिलाफ मामला हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। उधर, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतका के शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. आगरा एसएसपी सुधीर कुमार ने बताया, युवती ने दूसरे समुदाय के युवक के साथ शादी की थी। युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मामले की जांच की जा रही है जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

यौन शोषण केस में इच्छाराम सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सचिवालय प्रशासन विभाग से संबद्ध

लखनऊ। अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग के अनुसचिव इच्छाराम को निलंबित कर सचिवालय प्रशासन विभाग से संबद्ध कर दिया गया है। आउटसोर्सिंग पर तैनात महिला कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा यौन शोषण का आरोप लगाने और इसे लेकर वायरल हुए वीडियो में प्रथम दृष्टया इन्हें आरोपी माना गया है। उत्तर प्रदेश सरकारी (सेवक आचरण) नियमावली, 1956 के नियमों के उल्लंघन का दोषी मानते हुए यह कार्रवाई की गई है।

सचिवालय प्रशासन विभाग के विशेष सचिव अरूण प्रकाश की ओर से अनुसचिव इच्छाराम को निलंबित कर सचिवालय प्रशासन विभाग से संबद्ध किए जाने का आदेश जारी कर दिया गया है। मालूम हो कि महिला कर्मचारी द्वारा मामले की रिपोर्ट लिखाए जाने के बाद पुलिस ने आरोपित अनुसचिव इच्छाराम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जल्द मामले की जांच के लिए कमेटी का भी गठन किया जाएगा। बता दें कि बापू भवन में महिला सहकर्मी से छेड़छाड़ के आरोपित अनुसचिव इच्छाराम को आखिरकार पुलिस ने गुरुवार तड़के गिरफ्तार कर किया था। आरोपित के खिलाफ 29 अक्टूबर को महिला ने एफआइआर दर्ज कराई थी। तब आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया गया। परेशान होकर पीड़ित्ता ने छेड़छाड़ का वीडियो वायरल कर दिया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। अपर मुख्य सचिव हेमंत राव ने बताया कि आरोपित को निलंबित कर दिया गया है। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2018 से आरोपित उन्हें परेशान कर रहा था। आरोपित के दबाव में वह उसकी हरकतों को नजरअंदाज कर देती थी, लेकिन धीरे-धीरे उसकी हरकतें बढ़ती गईं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे : हरक्यूलिस विमान से लैंड करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 नवंबर को यूपी के सुलतानपुर में हरक्यूलिस विमान से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर लैंड करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इंडियन एयरफोर्स के विमानों का वहां एयरशो होगा। फाइटर एयरक्राफ्ट सुखोई, जगुआर और मिराज फ्लाईपास्ट करेंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे राज्य की राजधानी लखनऊ को मऊ, आजमगढ़, बाराबंकी सहित पूर्वी जिलों से प्रयागराज और वाराणसी के प्रमुख शहरों से जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुल्तानपुर में उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूर्वी यूपी की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेगा। प्रधानमंत्री ने जुलाई 2018 को एक्सप्रेस-वे की नींव रखी थी। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा एयर शो किया जाएगा। लड़ाकू विमानों को सुल्तानपुर जिले के पास आपातकालीन लैंडिंग करने की अनुमति देने के लिए 3.3 किलोमीटर की दूरी विकसित की गई है। IAF के मिराज 2000 और Su-30MKI विमान आपातकालीन हवाई पट्टी पर कई टेकऑफ और लैंडिंग करेंगे। सुल्तानपुर जिले के कुरेभर गांव के पास बने रनवे पर उतरेंगे, तो कुछ टच-एंड-गो ऑपरेशन में हिस्सा लेंगे। भारतीय वायुसेना द्वारा एक पूर्वाभ्यास किया गया, जहां वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एक्सप्रेसवे देश भर में लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन लैंडिंग सुविधाएं विकसित करने की सरकार की योजना का हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।